- bordernewsmirror@gmail.com
- पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
- द्विभाषिक समाचार पत्र

02 एक दिन में 50 करोड़ से अधिक का ऋण वितरण कर बिहार में टॉप पर पहुंचा

04 16 अक्टूबर को जिला नियोजनालय के प्रांगण में जॉब कैम्प का आयोजन

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

पटना, शनिवार, 14 अक्टूबर 2023 | www.bordernewsmirror.com | पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रुपए | वर्ष: 04, अंक: 251

मानवता का सबसे बड़ा दुश्मन है आतंकवाद: प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को नई दिल्ली में आयोजित पी-20 शिखर सम्मेलन का आगाज किया और दुनिया को शांति का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय विकास और कल्याण का है और यह शांति बिना संभव नहीं है। उन्होंने आतंकवाद को लेकर एक बार फिर विश्व को चेताया कि यह मानवता के विरुद्ध सबसे बड़ा अपराध है और इस पर दोहरे मापदंड नहीं होने चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी ने नई दिल्ली स्थित यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में 9वें जी-20 संसदीय अध्यक्ष शिखर सम्मेलन (पी-20) का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने भारत की 5000 साल पुरानी सभ्यता और उसमें रचे बसे लोकतंत्र का परिचय कराया। उन्होंने बताया कि हजारों साल पहले भी हमारे यहां संवाद एवं चर्चा के माध्यम से जनहितैषी

व्यवस्था काम करती थी।

प्रधानमंत्री ने दुनिया में चल रहे रूस-यूक्रेन और इजराइल एवं आतंकी संगठन हमास संघर्ष के बीच अपने शांति संदेश में कहा कि संकट भरी दुनिया किसी के हित में नहीं है। शांति के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। प्रधानमंत्री ने इस बात का उल्लेख किया कि आज शाम दुनिया भर से आए संसदीय प्रतिनिधि भारतीय संसद की यात्रा करेंगे और वहां स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। साथ ही उन्होंने यहां आतंकवाद की उस घटना का भी जिक्र किया जिसमें भारतीय संसद पर आतंकियों ने हमला किया था। प्रधानमंत्री ने इस बात पर दुख व्यक्त किया कि दुनिया के देश अभी तक आतंकवाद की परिभाषा पर आम सहमति नहीं बना पाए हैं, जिसका फायदा मानवता के दुश्मन उठा रहे हैं। इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, जी-20 देशों और आमंत्रित देशों की संसदों के पीठासीन अधिकारी, अंतर-संसदीय संघ (आईपीयू) के अध्यक्ष दुआर्ते पचेको और अन्य गणमान्य भी इस अवसर पर मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह शिखर सम्मेलन पूरी दुनिया की सभी संसदीय परंपराओं का एक 'महाकुंभ' है। इस संदर्भ में प्रधानमंत्री ने इस बात का उल्लेख भी किया कि आज यहां उपस्थित सभी प्रतिनिधियों के पास विभिन्न देशों की संसदों का समृद्ध अनुभव है। इसके साथ ही मोदी ने इस आयोजन के बारे में संतोष भी व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि पी-20 शिखर सम्मेलन उस भूमि पर हो रहा है जो न केवल लोकतंत्र की जननी के रूप में जानी जाती है बल्कि दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र भी है।

भाजपा ने किरेन रिजिजू को बनाया मिजोरम का चुनाव प्रभारी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मिजोरम में 7 नवंबर को होने वाले विधान सभा चुनाव के लिए केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू को राज्य का चुनाव प्रभारी नियुक्त किया है। इसके साथ ही नगालैंड के उपमुख्यमंत्री यानथुंगो पैटन और राष्ट्रीय सचिव अनिल एंटनी को सह चुनाव प्रभारी नियुक्त किया है। शुक्रवार को भाजपा महासचिव अरुण सिंह द्वारा जारी आदेश के मुताबिक राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने चंडीगढ़ भाजपा इकाई में बदलाव करते हुए जतिंदर पाल मल्होत्रा को नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। ये नियुक्तियां तुरंत प्रभाव से लागू होंगी।

सिख गुरुओं का ऋणी है देश: अमित शाह

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि देश सिख गुरुओं का ऋणी है। समाज और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका वंदनीय है। शाह ने शुक्रवार को 'दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी' की ओर से आईसीएआर कन्वेंशन सेंटर नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सिख पंथ की गुरु परंपरा को वह शीश झुका कर प्रणाम करते हैं। सिख पंथ की 10 पीढ़ियों की गुरु परंपरा ने आक्रान्ताओं के सामने अन्याय और बर्बरता के खिलाफ संघर्ष और बलिदान का उत्कृष्ट उदाहरण दुनिया के सामने रखा है। शाह ने कहा कि गुरुनानक देव जी ने अपने जीवन में "चार उदासियां" से कई देशों के अंदर सर्वधर्म समभाव का उपदेश दिया। कर्नाटक से लेकर मक्का तक उनके चरण मिले हैं।

इजराइल से भारतीयों की सुरक्षित वापसी देश के लिए गर्व का क्षण: भाजपा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने इजराइल से भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी को पूरे देश के लिए गर्व का क्षण बताया है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने शुक्रवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में ऑपरेशन अजय पर कहा कि इजराइल में युद्ध के दौरान जो भारतीय फंसे हुए हैं, उनके प्रति एक संवेदनशील और मजबूत सरकार ठोस कदम उठा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार देश के लोगों के लिए चौबीसों घंटे काम करती है।

उन्होंने कहा कि ऑपरेशन अजय के तहत आज 212 नागरिक सुरक्षित भारत लौटे। ये पूरे भारत के लिए गौरवान्वित करने का समय था। इजराइल से लौटे लोगों ने

भारत आकर राहत की सांस ली है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया है। गौरव भाटिया ने कहा कि ऐसे समय में किसी राष्ट्र की ताकत और नेता के चरित्र की परीक्षा होती है। आज भारत मजबूती से हर स्थिति में अपने लोगों का

> **गौरव भाटिया ने कहा कि ऐसे समय में किसी राष्ट्र की ताकत और नेता के चरित्र की परीक्षा होती है। आज भारत मजबूती से हर स्थिति में अपने लोगों का समर्थन करता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दुनिया के सबसे बड़े नेता के रूप में उभरे हैं और इस पर कोई विवाद नहीं कर सकता।**

समर्थन करता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दुनिया के सबसे बड़े नेता के रूप में उभरे हैं और इस पर कोई विवाद नहीं कर सकता। जब भी कोई अभूतपूर्व संकट या युद्ध होता है, तो सभी राष्ट्र भारत की ओर देखते हैं, न केवल एक स्टैंड के लिए, बल्कि समाधान के लिए भी। उन्होंने बताया कि भाजपा की सरकार जब केंद्र में बनी, उसके बाद 2015 में करीब 6,700 नागरिक यमन से सुरक्षित भारत लाए गए। 2016 में सूडान युद्ध के दौरान ऑपरेशन संकट मोचन चलाकर 160 नागरिकों को सुरक्षित वापस लाया गया। 2021 में अफगानिस्तान से 800 से अधिक नागरिकों को भारत वापस लाया गया। यूक्रेन-रूस संकट के दौरान ऑपरेशन गंगा के तहत 22,500 नागरिकों को सुरक्षित भारत लाया गया। 2023 में ऑपरेशन कावेरी चलाकर 4,097 लोग वापस लाए गए, जिसमें 3,961 भारतीय थे और 136 अन्य देशों के नागरिक थे। अब ऑपरेशन अजय के तहत शुक्रवार को 212 लोगों को वापस ले कर आए हैं।

सूर्यग्रहण | नेशनल अवार्ड प्राप्त विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने दी जानकारी

पितृ अमावस्या पर शनिवार को लगेगा सूर्यग्रहण, भारत में असर नहीं

भोपाल। भारत में शनिवार, 14 अक्टूबर को जब आश्विन कृष्ण पक्ष (पितृपक्ष) की अमावस्या का पर्व मनाया जाएगा। इस दौरान भारत में जब सूर्य अस्त हो रहा होगा, उसके कुछ देर बाद रात के अंधेरे में मेक्सिको, सेंट्रल अमेरिका, कोलिम्बिया, ब्राजील आदि पश्चिमी देशों में वलयाकार सूर्यग्रहण की खगोलीय घटना होगी। ग्रहण के समय रात्रि होने से यह घटना भारत में नहीं दिखेगी। यह जानकारी शुक्रवार को नेशनल अवार्ड प्राप्त विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने दी।

उन्होंने बताया कि सूर्यग्रहण पथ दक्षिणी कनाडा के तट से प्रशांत महासागर में शुरू होगा। पश्चिमी देशों में होने वाला यह सूर्यग्रहण एन्यूलर या वलयाकार सूर्यग्रहण होगा। उन्होंने

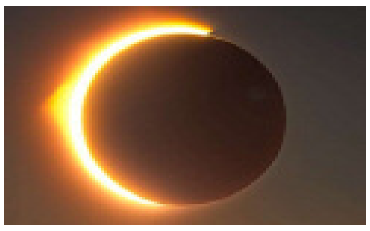

बताया कि भारतीय समय के अनुसार रात्रि 8 बजकर 33 मिनिट 50 सेकंड पर ग्रहण की घटना आरंभ होगी, जबकि रात 11 बजकर 29 मिनट 32 सेकंड पर यह अधिकतम ग्रहण की स्थिति में होगा। इसके बाद रात्रि 2 बजकर 25 मिनट 16 सेकंड पर यह समाप्त हो जाएगा। उन्होंने बताया कि अक्टूबर में 15 दिन के अंतर से सूर्यग्रहण तथा चंद्रग्रहण होने जा रहे हैं। इनमें आगामी शरद पूर्णिमा पर पड़ने वाला चंद्रग्रहण भारत में दिखेगा।

सारिका ने बताया कि एक गणितीय अनुमान के अनुसार पश्चिमी देशों में होने जा रही इस खगोलीय घटना का कुछ न कुछ भाग विश्व की लगभग 13 प्रतिशत से अधिक आबादी देख सकेगी, वहीं वलयाकार ग्रहण की स्थिति को केवल 0.41 प्रतिशत आबादी ही देख सकेगी। उन्होंने बताया कि एन्यूलर या वलयाकार सूर्यग्रहण तब होता है, जब चंद्रमा सूर्य को पूरी तरह नहीं ढक पाता है, क्योंकि वह पृथ्वी से दूर होता है। इस स्थिति में चंद्रमा के चारों ओर प्रकाश का एक घेरा बन जाता है।

उन्होंने बताया कि इस साल चार ग्रहण हैं, जिसमें पहला सूर्यग्रहण 20 अप्रैल को और पहला चंद्रग्रहण 5 मई को लग चुका है। अब शनिवार को साल का दूसरा सूर्यग्रहण होगा। इसके बाद 8 अप्रैल 2024 को पूर्ण सूर्यग्रहण और 2 अक्टूबर 2024 को वलयाकार सूर्यग्रहण होगा, लेकिन ये भी भारत में दिखाई नहीं देंगे। उन्होंने बताया कि एक साल में अधिकतम पांच सूर्यग्रहण और दो चंद्रग्रहण हो सकते हैं।

एक साल में न्यूनतम दो सूर्यग्रहण तो होंगे ही, जबकि सामान्य रूप से साल में चार ग्रहण होते हैं। गणितीय अनुमान के अनुसार सन 3000 तक से विगत पांच हजार सालों में 11898 सूर्यग्रहण की गणना की गई है, जिसमें लगभग 35 प्रतिशत आंशिक ग्रहण 33 प्रतिशत वलयाकार ग्रहण, 27 प्रतिशत पूर्णसूर्यग्रहण तथा पांच प्रतिशत हाईब्रिड सूर्यग्रहण हैं।

महिलाओं के कम प्रतिनिधित्व पर जताई चिंता

नई दिल्ली। जी-20 देशों के पीठासीन अधिकारियों के शिखर सम्मेलन (पी-20) में शुक्रवार को इस बात पर चिंता जताई गई कि दुनिया की संसदों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व काफी कम है। इस संदर्भ में इन देशों ने भारतीय संसद की ओर से महिला आरक्षण विधेयक को पास किए जाने का स्वागत किया। इसमें कहा गया कि हमें इस बात पर चिंता है कि वैश्विक स्तर पर राष्ट्रीय संसदों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व काफी कम है। अपनी संसदों के नेताओं के रूप में हम इस प्रक्रिया के माध्यम से पहचाने गए किसी भी अंतर को समाप्त करने के लिए कदम उठाकर अपनी संसदों की लैंगिक-संवेदनशीलता के स्तर का आकलन और सुधार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस संदर्भ में हम सितंबर 2023 में भारत की संसद द्वारा महिला आरक्षण विधेयक को पास किए जाने का स्वागत करते हैं।

अतिपिछड़ों के साथ अन्याय नहीं होंने देंगे नीतीश: ललन सिंह

पटना। बिहार सरकार की ओर से जातीय गणना का चिर-प्रतिक्षित कार्य सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने एवं साथ ही ससमय गणना के आंकड़े जारी करने को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का धन्यवाद प्रकट करने हेतु शुक्रवार को जदयू ने पार्टी मुख्यालय में धन्यवाद समारोह का आयोजन किया । इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि के तौर पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह सांसद राजीव रंजन सिंह उर्फ ''ललन'' मौजूद रहे।

कार्यक्रम में अपने सम्बोधन में जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह सांसद राजीव रंजन सिंह ''ललन'' सिंह ने कहा कि जातीय गणना का जब निर्णय लिया गया तब भाजपा ने कई तरह के चक्रव्यूह रचे लेकिन नीतीश कुमार ने अभिमन्यु की तरह सारे चक्रव्यूह को तोड़ दिया। जातीय गणना के माध्यम से नीतीश कुमार ने न्याय के विकास का मार्ग प्रशस्त किया है। अतिपिछड़ा समाज नीतीश कुमार की ताकत हैं और नीतीश कुमार अतिपिछड़ों की पहचान हैं। जब तक नीतीश कुमार हैं अतिपिछड़ों के साथ कोई अन्याय नहीं कर सकता है। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा को केवल धार्मिक उन्माद और तुष्टिकरण के मुद्दे पर चुनाव जीतना चाहती है इसलिए आप सभी को हम भाजपा से सचेत रहने का आग्रह करते हैं। भाजपा को जनता के कल्याण से कोई मतलब नहीं है। भाजपा आरक्षण और संविधान के भी खिलाफ हैं। नगर निकाय चुनाव के दौरान भी भारतीय जनता पार्टी ने पर्दे के पीछे से अतिपिछड़ा आरक्षण के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका किया था मगर तब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी ने स्पष्ट कह दिया था कि बगैर अतिपिछड़ा आरक्षण के नगर निकाय चुनाव संपन्न नहीं किया जाएगा और अंत में अतिपिछड़ा आरक्षण के साथ ही नगर निकाय चुनाव सम्पन्न हुआ।

सत्ता से केंद्रीय सहायता न मिलने के आरोप पर सुशील मोदी ने दी कड़ी प्रतिक्रिया

पटना। सत्ता पक्ष की ओर से बिहार को केंद्रीय सहायता न मिलने के आरोप पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने कहा कि जिस राज्य के कुल बजट का 60 फीसदी केंद्रीय सहायता पर निर्भर है, उसके मुख्यमंत्री को तथ्य छिपा कर बात नहीं करनी चाहिए। सुशील मोदी ने शुक्रवार को बयान जारी कर कहा कि एक लाख करोड़ से अधिक राशि खर्च कर बिहार में जो आधा दर्जन से ज्यादा मेगा ब्रिज और 4-6 लेन सड़कों का नेटवर्क तैयार हो रहा है, वह क्या केंद्रीय मदद नहीं है? उन्होंने कहा कि बिहार में जो भी बड़ा ढांचागत विकास हुआ, वह केंद्र की सहायता से संभव हुआ और इससे बिहार के लोगों को रोजगार मिला। क्या बिना केंद्रीय मदद के राज्य के 2.5 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आ गए? उन्होंने कहा कि केंद्रीय करों में हिस्सेदारी के रूप में बिहार को उत्तर प्रदेश के बाद सबसे ज्यादा 1.02 लाख करोड़ की राशि मिलती है। क्या यह केंद्रीय सहायता नहीं है? भाजपा का साथ छोड़ने के 13 महीने बाद नीतीश कुमार को केंद्रीय सहायता में भेदभाव क्यों दिखने लगा? यदि हिम्मत है तो वे केंद्र से कोई मदद न लेने की घोषणा करें। वे जिससे सहायता लेते हैं, उसे ही कोसने भी लगे हैं। केंद्र सरकार ने 8,500 करोड़ रुपये खर्च कर बरौनी खाद कारखाना का आधुनिकीकरण कर इसे फिर चालू कराया।

पटना-बांद्रा एक्सप्रेस समेत 5 ट्रेनें मैहर स्टेशन पर रुकेंगी

पटना। नवरात्र को लेकर 5 जोड़ी ट्रेनों का मैहर स्टेशन पर अस्थायी ठहराव होगा। पटना से 21 से 28 अक्टूबर तक चलने वाली 17609 पटना-पूर्णा एक्सप्रेस मैहर स्टेशन पर शाम 5:25 बजे पहुंच कर 5:30 बजे प्रस्थान करेगी। पटना से 18 से 25 अक्टूबर तक चलने वाली 22972 पटना-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस मैहर स्टेशन पर 8:25 बजे पहुंच कर 8:30 बजे प्रस्थान करेगी। वापसी में पूर्णा से 19 से 26 अक्टूबर तक चलने वाली 17610 पूर्णा-पटना एक्सप्रेस मैहर स्टेशन पर 10:50 बजे पहुंच कर 10:55 बजे प्रस्थान करेगी। बांद्रा टर्मिनस से 16 से 23 अक्टूबर तक चलने वाली 22971 बांद्रा टर्मिनस-पटना एक्सप्रेस मैहर स्टेशन पर दिन 3:25 बजे पहुंच कर 3:30 बजे प्रस्थान करेगी। इनके अलावा 19051 वलसाड-मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस, 11045 छत्रपति शाहू महाराज टर्मिनल कोल्हापुर-धनबाद एक्सप्रेस, 15268 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-रक्सौल एक्सप्रेस, 19052 मुजफ्फरपुर-वलसाड एक्सप्रेस, 11046 धनबाद-छत्रपति शाहू महाराज टर्मिनल कोल्हापुर एक्सप्रेस और 15267 रक्सौल-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस का मैहर स्टेशन पर ठहराव दिया गया है।

एक दिन में 50 करोड़ से अधिक का ऋण वितरण कर बिहार में टॉप पर पहुंचा बेगूसराय जीविका

बेगूसराय। केंद्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह के संसदीय क्षेत्र बेगूसराय में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की परियोजना जीविका लगातार नई ऊंचाई प्राप्त कर रहा है। बेगूसराय जीविका ने एक बार फिर राज्य स्तर पर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

बेगूसराय जीविका द्वारा स्वयं सहायता समूहों के बीच एक दिन में सबसे ज्यादा ऋण वितरण कर एक नया रिकॉर्ड बनाया है तथा बेगूसराय ने राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। राज्य स्तर पर ऋण वितरण समारोह का आयोजन किया गया था। जिसमें बेगूसराय जिले के विभिन्न प्रखंडों के 2552 जीविका स्वयं सहायता समूहों के बीच 50 करोड़ से अधिक की ऋण राशि का वितरण किया गया।

जीविका दीदियों के बीच जीविकोपार्जन की गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक के सहयोग से 19करोड़ 80 लाख, यूको बैंक के सहयोग से 16 करोड़ 76 लाख, भारतीय स्टेट बैंक द्वारा चार करोड़ 56 लाख, पंजाब नेशनल बैंक द्वारा तीन करोड़ 60 लाख, इंडियन बैंक द्वारा दो करोड़ 60 लाख, बैंक ऑफ इंडिया द्वारा एक करोड़ 90 लाख एवं बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा 82 लाख का ऋण समूह की दीदियों के बीच वितरित किया गया।

जीविका के जिला परियोजना प्रबंधक अविनाश कुमार ने बताया कि अभी जहां 2552 समूहों के बीच 50 करोड़ से अधिक की ऋण राशि का वितरण किया गया। वहीं सितम्बर माह में बेगूसराय जीविका द्वारा 6310 समूहों के बीच 113 करोड़ 40 लाख का ऋण वितरण समूह की दीदियों के बीच किया गया। जीविका दीदियों के बीच ऋण वितरण में बेगूसराय जीविका पूरे प्रदेश में अव्वल रहा है।

उन्होंने बताया कि इस ऋण वितरण का उद्देश्य दीदियों को त्योहारों के मौसम में स्वरोजगार की विभिन्न गतिविधियों से जोड़ना तथा जीविकोपार्जन गतिविधि में पूर्व से जुड़ी दीदियों को और ज्यादा पूंजी उपलब्ध कराना है। डीपीएम ने बताया कि यह ऋण जीविका दीदियों के जीवन में नया आयाम स्थापित करेगा। बेगूसराय जीविका द्वारा जीविका दीदियों को लखपति दीदी बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। उन्हें ऋण उपलब्ध कराकर जीविकोपार्जन की गतिविधियों से जोड़ा जा रहा है।

राष्ट्रपति की यात्रा के दौरान तैनात होंगे 150 मजिस्ट्रेट

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु की तीन दिवसीय बिहार यात्रा 18 अक्टूबर से शुरू होगी। इस दौरान 150 मजिस्ट्रेट, 200 पुलिस अधिकारी और 800 से अधिक जवानों की तैनाती की जा होगी। साथ ही घुड़सवार दल कार्यक्रम स्थल के आसपास तैनाती होगा। प्रशासनिक अधिकारियों के मुताबिक सबसे पहले बापू सभागार में चौथे कृषि रोडमैप का लोकार्पण करेंगी। इसके बाद वापस राजभवन जाएंगी। शाम में राजभवन से श्रीहरिमंदिर साहिब जाएंगी। अगले दिन 19 अक्टूबर को मोतिहारी केंद्रीय विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में जाएंगी। वहां से लौटने के बाद पटना एम्स में छात्रों को संबोधित करेंगी। 20 अक्टूबर को गया केंद्रीय विवि के दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी। गया से ही नई दिल्ली के रवाना होंगी।

सहयोग | इजराइल क्रूरता की सारी हदें कर रहा पार

फिलिस्तीनियों के साथ है AIMIM: अख्तरुल

किशनगंज। अपनी ज़मीन को ज़ालिमों से आज़ाद कराना आतंकवाद नहीं बल्कि अधिकार है और इस अधिकार की लड़ाई में फ़िलिस्तीन सक्रिय है। इस अधिकार की लड़ाई में सभी मानवतावादी और न्याय पसंद लोगों को चाहिए कि वह फिलिस्तीन का समर्थन करें। मजलिस इत्तेहादुल मुस्लिमीन बिहार के प्रदेश अध्यक्ष और विधानसभा सदस्य अख्तरूल ईमान ने शुक्रवार को किशनगंज दौरे पर उक्त बातें कहीं।

उन्होंने कहा कि 1948 से इजराइल के कब्जे के बाद, भारत की विदेश नीति हमेशा फिलिस्तीनियों के प्रति सहयोगी और सहानुभूतिपूर्ण रही है। पंडित जवाहरलाल नेहरू से लेकर अटल बिहारी वाजपेयी तक, सभी ने फिलिस्तीनियों के प्रति प्रेम और एकजुटता व्यक्त की है। साथ ही इन सभी ने इजराइल को फिलिस्तीन की जमीन पर अवैध

और दमनकारी कब्जा करने वाला देश माना है। किसी ने भी फ़िलिस्तीन का विरोध और इजरायल का समर्थन नहीं किया है, क्योंकि ऐसा करना अधिकार और न्याय का स्पष्ट उल्लंघन है।

अख्तरूल ईमान ने कड़ा विरोध दर्ज कराया और कहा कि मोदी सरकार ने उत्पीड़ित फिलिस्तीनियों की आजादी के संघर्ष को आतंकवाद करार दिया है और कहा है कि वह मुसीबत की इस घड़ी में इजराइल के साथ खड़ी है। इस तरह का पक्षपातपूर्ण और अनुचित बयान एक लोकतांत्रिक और न्यायपूर्ण देश के लिए अशोभनीय है। मजलिस इत्तेहादुल मुस्लिमीन इस बयान की कड़ी निंदा करती है। अख्तरूल ईमान ने कहा कि 1943 में जब हिटलर ने यहूदियों को मार डाला और उन्हें जर्मनी से भगा दिया, तो वे एक जहाज में इकट्ठा होकर भाग निकले और फ्रांस, क्यूबा, कनाडा आदि कई देशों में शरण की भीख मांगी, लेकिन किसी ने उन्हें शरण नहीं दिया। ऐसे में फिलिस्तीन को उन पर दया आ गई और उन्होंने उन्हें अपनी जमीन पर आश्रय दे दिया। लेकिन यह यहुदी इतने अत्याचारी और एहसान फरामोश हैं कि 1948 में उन्होंने इसके कुछ हिस्सों पर कब्ज़ा कर लिया और एक नया देश इज़राइल घोषित कर दिया और अमेरिका ने इस नाजायज़ और अत्याचारी देश का समर्थन किया।

अपर मुख्य सचिव के.के.पाठक ने शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय का निरीक्षण किया

सहरसा। अपर मुख्य सचिव के.के.पाठक एवं जिला पदाधिकारी वैभव चौधरी द्वारा अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय का अवलोकन किया गया। वर्तमान में बुनियाद-2 सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम कक्षा-03 से 05 तक के शिक्षकों के लिए चलाया जा रहा है। यह प्रशिक्षण कुल-06 दिनों का होता है। इसमें कुल-133 प्रशिक्षणार्थी प्रशिक्षण ले रहे हैं। इसी का अवलोकन अपर मुख्य सचिव, बिहार के द्वारा किया गया। मुख्यतः प्रशिक्षण ले रहे शिक्षकों से बातचीत की गई। इसके अलावे अपर मुख्य सचिव द्वारा भाषा लैब, साइकोलॉजी लैब, मैथ लैब स्थापित करने का सुझाव दिया गया। कॉलेज के प्राचार्य द्वारा बताया गया कि एक और कार्यक्रम कॉलेज द्वारा सेकेण्ड्री स्कूल +2 की छात्राओं को कम्प्यूटर लैब में ट्रेनिंग दिया जा रहा है। अपर मुख्य सचिव ने इसकी प्रशंसा की।

दीक्षांत समारोह की समीक्षा बैठक संपन्न

बीएनएम@मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विवि के कुलपति संजय श्रीवास्तव ने शुक्रवार को आगामी 19 अक्टूबर को होने वाले दीक्षांत समारोह को लेकर गठित शोभा यात्रा सहित 21 समिति के सदस्यों के साथ समीक्षा बैठक की। राजा बाजार स्थित गांधी प्रेक्षागृह में करीब दो घंटे चली बैठक के बाद कुलपति ने बताया कि समारोह को ऐतिहासिक बनाने को लेकर पूरी करने करने कहा गया है,साथ ही विवि की ओर से गठित सभी समितियो को आपस में समन्वय स्थापित कर कार्यो में गति लाने को कहा गया है।

उन्होंने बताया कि मेडल से नवाजे जाने वाले विद्यार्थियों की संख्या,दीक्षांत समन्वय, शोभा यात्रा, मंच समिति, अभिभाषण लेखन, प्रसाधान निर्माण, वित्त समिति, आतिथ्य एवं आवास समिति, स्मारिका एवं आमंत्रण, परिधान, अकादमिक, जलपान, अनुशासन, सभागृह व्यवस्था, घोषणा एवं गाइड-लाइनिंग, मीडिया, फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी, प्राथमिक चिकित्सा एवं आपदा प्रबंधन, परिवहन, पूर्वाभ्यास, बाहरी प्रबंधन एवं सौंदर्यीकरण, पार्किंग प्रबंधन एवं प्रदर्शनी समिति का गठन किया गया है। मौके पर प्रो. प्रसुन्न दत्तसिंह, प्रो. पवनेश कुमार, प्रो. आशीष श्रीवास्तव, शिरीष मिश्रा, सुनील महावर, प्रो. सहाना मजुमदार, प्रो. प्राणवीर सिंह, प्रो. आनंद प्रकाश, प्रो. सुनील श्रीवास्तव, प्रो. देवदत्त चतुर्वेदी, प्रो. सुनील मिश्रा, प्रो. संतोष कुमार त्रिपाठी, प्रो. अजय कुमार गुप्ता, डॉ. विमलेश कुमार सिंह, प्रो. रंजीत कुमार चौधरी, प्रो. बृजेश पांडेय, प्रो. रफीक उल इस्लाम, डॉ. नरेंद्र कुमार आर्या, डॉ. कैलाश चंद्र प्रधान,डा.परमात्मा मिश्र आदि उपस्थित थे।

चाणक्य परिसर में 17 अक्टूबर को लगेगा कोविड जांच कैंप

विवि की जनसंपर्क अधिकारी शेफालिका मिश्रा ने बताया कि समारोह से पूर्व शिक्षक, कर्मी व विद्यार्थियों को कोविड टेस्ट कराना होगा।इसके लिए चाणक्य परिसर में 17 अक्टूबर तक कैंप आयोजित है।उन्होने बताया कि दीक्षांत समारोह पर शोभा यात्रा निकाली जाएगी। इसको लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही है। यात्रा की सफलता को लेकर 16-17 अक्टूबर को रिहर्सल किया जाएगा।

दुकानदार के घर में देर रात्रि भीषण चोरी

तुरकौलिया। रघुनाथपुर ओपी थाना क्षेत्र अंतर्गत सफही टोला सरिसवा गांव में अज्ञात चोरों ने एक दवा दुकानदार के घर में गुरुवार की देर रात्रि भीषण चोरी किया है। चोरों ने नकदी सहित करीब पांच लाख रूपये की जेवरात लेकर पीछे के दरवाजे से फरार हो गए।

पीड़ित दुकानदार मुनिलाल सिंह है। जो शहर में दवा का दुकान चलाता है। उन्होंने बताया कि दुकान से वे करीब साढ़े नौ बजे रात में घर आए। सभी परिवार के साथ खाना खाकर वे लोग ग्यारह बजे सो गए। रात में वे शौच के लिए उठे, उस समय सब ठीक ठाक था। पीड़ित दुकानदार ने बताया कि वे सभी लोग अपने अपने पांच रूम में सोये हुए थे। एक रूम में समान था। जो खुला रहता है। सुबह जब उनके पिता रामप्रीत सिंह उठकर शौच के लिए दरवाजे खोलने का प्रयास किया तो बाहर से दरवाजा बंद था। ऐसे हीं सभी सदस्य एक दूसरे को फोन कर दरवाजे खोलने को कहा। सभी का दरवाजा बंद मिला।

उनके पिता बाहर के दरवाजे से निकल कर सभी का दरवाजा खोला। जब वे लोग उठे तो समान रखी कमरे का दरवाजा खुला पाया। उसमें रखा ट्रंक, पेटी, सुटकेस, अटैची को तोड़ उसमें का सामान तीतर बितर किया गया था। ट्रंक व पेटी में रखे नकदी 50 हजार रुपया सहित करीब पांच लाख रुपए के जेवरात चोरों ने चुरा लिया है।सुबह रघुनाथपुर पुलिस पहुंच मामले की तहकीकात की। इस समय घर के पीछे बांसवारी में फेका हुआ एक अटैची बरामद किया। उन्होंने बताया की चोर घर के पीछे लीची के पेड़ से चढ़कर अंदर घुसे है।

भारत स्काउट एवं गाइड के पाँच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन

बीएनएम@केसरिया। राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय केसरिया के परिसर में संचालित भारत स्काउट एवं गाइड के पाँच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का शुक्रवार को समापन हुआ। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि बीईओ उपेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि भारत स्काउट एवं गाइड के क्रियाकलापों से सामाजिक पुनर्निर्माण की दिशा एवं दशा तय होगी। इस प्रशिक्षण के उपरांत छात्र-छात्राओं में अच्छी नागरिकता का विकास होता है। वहीं समारोह की अध्यक्षता करते हुए प्रभारी एचएम ममता मिश्रा ने छात्र-छात्राओं को अच्छे नागरिक बनकर समाज व देश की सेवा करने की नसीहत दी। समारोह के दौरान प्रभारी एचएम ने आगत अतिथियों को अंगवस्त्र देकर स्वागत किया। प्रशिक्षक अमन कुमार झा ने बताया कि इस शिविर में 120 छात्र-छात्राओं को सफल प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागियों को मेडल प्रदान किया गया। शिविर का संचालन शारीरिक शिक्षक राजेश कुमार ने किया। मौके पर विद्यालय के शिक्षक संजीव रंजन, शरफराज आलम, प्रयाग साह, विनोद पासवान, रंजीत कुमार, सेवा सदन के सचिव विनोद पटेल, महात्मा बुद्ध सेवा संस्थान के सचिव राकेश कुमार रत्न, शिक्षिका अलका कुमारी, कुन्दन वत्स, अनुभूत आनंद, विनय कुमार, संबल किशोर तिवारी, रवींद्र कुमार,अशरफ आलम समेत अन्य उपस्थित थे।

मोतिहारी के क्रिकेटर सकीबुल बिहार टीम में चयनित

मोतिहारी। बीसीसीआई की ओर से आयोजित सैयद मुश्ताक अली टी-20 मैच में पूर्वी चम्पारण के खिलाड़ी सकीबुल गनी का चयन बिहार टीम में हुआ है।15 सदस्यीय बिहार टीम का कमान बाबुल कुमार को सौंपा गया है। सकीबुल गनी को टीम में उपकप्तान की जिम्मेवारी दी गई हैं। इसकी जानकारी देते हुए आज ईस्ट चम्पारण डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव रवि राज ने बताया कि सकीबुल गनी एक बेहतरीन हरफनमौला खिलाड़ी हैं जिसने पूर्व में कई बार अपने शानदार प्रदर्शन से अपनी प्रतिभा का परिचय दिया हैं। सकीबुल ने सत्र 2021-22 में मिजोरम के खिलाफ अपने डेब्यू रणजी मैच में बिहार के लिए 405 गेंद में 341 रन(56×4 व 2×6) की शानदार पारी खेली।रणजी ट्रॉफी इतिहास में बिहार के लिए यह पहला अवसर था कि जब किसी बल्लेबाज ने तिहरा शतक लगाया हो। रणजी ट्रॉफी डेब्यु मैच में सबसे बड़ा स्कोर का राष्ट्रीय कीर्तिमान भी सकीबुल गनी के नाम पर हैं।उल्लेखनीय है,कि मोतिहारी शहर के अगरवा निवासी मन्नान गनी का पुत्र सकीबुल गनी(22वर्ष) एक मध्यम वर्गीय परिवार से आते है।जिन्होंने सीमित संसाधन के बावजूद विगत दो-तीन सत्र से बीसीसीआई के द्वारा आयोजित भिन्न-भिन्न प्रतिस्पर्धा में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया हैं।बिहार अंडर-23,मुश्ताक अली(20-20) और विजय हजारे(50-50) ट्रॉफी में उसने अपने प्रदर्शन से पूर्व में भी काबलियत दिखाई हैं।सकीबुल गनी ने बिहार अंडर-23 के लिए 306,281 और 147 रन की जबरदस्त पारी खेली हैं।

विजय हजारे में खेलते हुए बिहार के लिए 113 और 94 रन तथा मुश्ताक अली में भी एक अर्धशतकीय पारी खेली हैं।साथ ही कई अवसर पर अपनी गेंदबाजी का भी दमखम दिखाया हैं। ईस्ट चम्पारण डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष आकर्षण आदित्य, सचिव रवि राज,कोषाध्यक्ष अभिषेक कुमार ठाकुर, मीडिया प्रभारी प्रीतेश रंजन, क्लब प्रतिनिधि अय्याज अहमद,खिलाड़ी प्रतिनिधि मधुरेन्द्र सिंह व ब्यूटी कुमारी, चयन समिति चेयरमैन रामप्रकाश सिन्हा, चयन समिति सदस्य संजय कुमार टुन्ना,स्टेट पैनल अम्पायर वेदप्रकाश इत्यादि ने बिहार टीम में बतौर उपकप्तान चयन के लिए सकीबुल गनी को बधाई व शुभकामनाएं दी हैं।

प्रदर्शन | बिहार राज्य आंगनबाड़ी संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले हो रहा विरोध

सेविकाओं व सहायिकाओं का 15वें दिन भी हड़ताल जारी

मोतिहारी। जिले के घोड़ासहन प्रखंड में आंगनबाड़ी सेविका सहायिका का अनेकों मांगों को लेकर 15वें दिन शुक्रवार को भी हड़ताल जारी रहा। प्रखंड कार्यालय परिसर में अवस्थित आईसीडीएस कार्यालय परिसर में बिहार राज्य आंगनबाड़ी संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले प्रखंड इकाई घोड़ासहन के प्रखंड अध्यक्ष प्रतिमा कुमारी व सचिव सुमित्रा जयसवाल के नेतृत्व में आंगनबाड़ी सेविका, सहायिका आईसीडीएस कार्यालय के गेट पर मांगों को समर्थन में आक्रोशपूर्ण प्रदर्शन किया।

इस दौरान सेविकाओं व सहायिकाओं ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। सभी ने हाथों में तख्ती लिए जाग सेविका जाग मुश्किल से न भाग, याद रखना ऐ सरकार, हर वार्ड में है मेरा अधिकार, उतर जायेगा तेरा बुखार, लाल साड़ी की है पुकार ,नहीं सहेंगें अत्याचार, 6 हजार में दम नही 25 हजार से कम नही, हम भारत की नारी है, फूल नही चिंगारी है आदि के नारे लगा रहें थें।

संघ के अध्यक्ष प्रतिमा कुमारी ने कहा कि उनकी मुख्य मांगों में सरकारी कर्मचारी का दर्जा, वेतन वृद्धि करने, सेवा स्थायीकरण, योग्य सेविका का महिला पर्यवेक्षिका में प्रोन्नति, योग्य सहायिका का सेविका में प्रोन्नति आदि शामिल है। गौरतलब हो कि प्रखंड की सभी सेविका सहायिका सरकारी कर्मचारी का दर्जा व मानदेय बढ़ोतरी की मांग को लेकर बीते 29 सितम्बर से ही आंगनबाड़ी केंद्रों में तालाबंदी कर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चली गईं हैं।

सेविका सहायिका के हड़ताल पर चले जाने के कारण से आंगनबाड़ी केंद्रों का संचालन पूरी तरह से बाधित हो गया है। मौके पर सेविका सुमन कुमारी,उषा कुमारी,मंजू देवी, रामावली देवी, लक्ष्मी देवी, रीमा कुमारी, शोभा कुमारी, शारदा यादव, स्मृति कुमारी, ममता कुमारी, सुमित्रा कुमारी, अमिता कुमारी, रिजवाना खातून, रेहाना खातून, मंजू वर्मा सहित सैकड़ों सेविका सहायिका मौजूद रहें।

रक्सौल सब डिवीजन के प्रत्येक सेक्शनों मे लगेगा विपत्र सुधार कैम्प

रक्सौल। विद्युत उपभोक्ताओं के सुविधा के मध्यनजर विद्युत विभाग के निर्देश पर रक्सौल सब डिवीजन के रक्सौल ग्रामीण, रक्सौल शहरी, रामगढ़वा एवं सुगौली प्रशाखा में विद्युत विपत्र सुधार कैम्प का आयोजन किया जाएगा। रक्सौल सब डिवीजन के सहायक विद्युत अभियंता सुनील रंजन ने बताया की विद्युत विभाग के निर्देश पर प्रशाखा कार्यालय में प्रखंड स्तरीय विद्युत विपत्र सुधार कैम्प का आयोजन किया जाएगा। इस कैम्प में सभी उपभोक्ताओं के समस्या का निदान किया जाएगा। नया विद्युत, कनेक्शन सबंधित जानकारी, कृषि कार्य हेतु विद्युत कनेक्शन जानकारी, विपत्र सुधार, अनपेड उपभोक्ताओ की समस्या सहित सभी तरह के समस्याओं का निदान किया जाएगा एवं जानकारी दी जाएगी।

तबरेज खान बने जिला युवा राजद के महासचिव

बीएनएम@रामगढ़वा

रामगढ़वा के तबरेज खान को जिला युवा राजद ने जिला महासचिव मनोनीत किया गया है।राजद अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष असलम सहन ने इनको मनोनीत किया है।

इनके मनोनयन के मौके पर विधायक मनोज यादव जी, ई शशिभूषण सिंह, सुरेश सहनी, जयकिशोर यादव, कमरुद्दीन अंसारी, मुकेश यादव, मोतीलाल यादव, अमन खान, हाशिम इकबाल खान रामप्रकाश रौशन, मनोज यादव, सुरेंद्र यादव,इ त्यादि महत्वपूर्ण लोग मौजूद रहे ।

जैसे ही चिट्ठी निकली बधाई देने में सभी जिला के सम्मानित लोगो का प्रतिक्रिया आना शुरू हो गया।

फिरोज खान, समसुल जोहा अंसारी, मुसा मिया, मोहमद आलम, मनोज पासवान, संजय दास, नंदकिशोर यादव इत्यादि कार्यकर्ताओं ने इनको बधाई दी है।

16 अक्टूबर को जिला नियोजनालय के प्रांगण में जॉब कैम्प का आयोजन

हेल्प सेन्टर के दूरभाष संख्या- 06254-295737 पर अभ्यर्थी संपर्क कर सकते हैं

बेतिया(प.च)। श्रम संसाधन विभाग द्वारा जिला नियोजनालय, पश्चिम चम्पारण, बेतिया के प्रांगण में दिनांक-16.10.2023 को जॉब कैम्प का आयोजन किया जाना है। इस दिन पूर्वाह्न 11.00 बजे से अपराह्न 04.00 बजे तक इच्छुक अभ्यर्थी जॉब कैम्प में नियोजक से जॉब के विषय में जानकारी प्राप्त कर अपना आवेदन/बायोडाटा जमा कर सकते हैं। इच्छुक अभ्यर्थी का एनसीएस पोर्टल पर निबंधन कराना अनिवार्य है।

जिला नियोजन पदाधिकारी अंकित राज द्वारा बताया गया कि जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय के दिशा-निर्देश के आलोक में

लगातार जिले में जॉब कैम्प, रोजगार-सह-मार्गदर्शन मेला का आयोजन कर बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार मुहैया कराने का कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में पुनः 16 अक्टूबर 2023 को भी जिला नियोजनालय, बेतिया के प्रांगण में जॉब कैम्प का आयोजन किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि इन्स्टाकार्ट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा डिलेविरी एग्जक्यूटिव के पद पर कार्य करने हेतु इच्छुक कुल-20 अभ्यर्थियों का चयन किया जायेगा। कंपनी द्वारा चयनित अभ्यर्थियों को 10500.00 रूपया प्रतिमाह मानदेय प्रदान की जायेगी। कार्यक्षेत्र पश्चिम चम्पारण जिला होगा।

उन्होंने बताया कि अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए जिला नियोजनालय में दूरभाष संख्या- 06254-295737 पर हेल्प सेन्टर बनाया गया है। अभ्यर्थी विशेष जानकारी के लिए हेल्प सेन्टर पर संपर्क कर सकते हैं।

अपहृत छात्र आशिष की निर्मम हत्या, पुलिस जीवित खोजने में रही असफल

20 लाख रंगदारी मांगने वालों ने रंगदारी लेने से पहले ही की हत्या

त्वरित सजा नहीं दिलाने पर सांसद ने दी आंदोलन की चेतावनी

बेतिया(प.च)।बेतिया पुलिस जिला के कुमारबाग ओपी क्षेत्र के के रानीपुर रामपुरवा निवासी नगनारायण प्रसाद स्वर्णकार क्या पता था कि उनका 14 वर्षीय पुत्र स्कूल पढ़ने जाएगा तो लौट कर ननहीं आ सकेगा और उसका अपहरण कर अपराधियों द्वारा हत्या कर दी जाएगी। अपराधियों द्वारा फिरौती के लिए 20 लाख रुपए फिरौती की मांग भी की गई थी।

बताते चले कि 11 अक्टूबर को कुमारबाग ओपी के रानीपुर रामपुरवा निवासी नगनारायण प्रसाद स्वर्णकार का पुत्र आशीष कुमार 14 वर्ष कुमारबाग स्थित राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय प्लस टू में पढ़ने गया था। वह नवमी वर्ग का छात्र था, जिसका स्कूल से ही आशीष का अपहरण कर लिया गया और अपराधियों ने मोबाइल द्वारा उसके परिजनों से 20 लाख रुपया फिरौती की मांग किया और फिरौती की राशि नहीं देने पर जान से मार देने की धमकी भी दिया। इसके बाद परिजनों ने इसकी सूचना कुमारबाग ओपी को दिया।

इस मामले में बेतिया पुलिस अधीक्षक अमरकेश डी द्वारा सदर एसडीपीओ महताब आलम के नेतृत्व में एक टीम गठित कर छापामारी करने का निर्देश दिया। टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए छापामारी शुरू की गई। पुलिस ने तकनीकी एवं मैन्युअल जांच पड़ताल के क्रम में कुछ युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ करने के बाद 12 अक्टूबर की रात्रि कुमारबाग स्टील प्लांट के पास मलवरी फॉर्म के पीछे एक पोखर से छात्र आशीष कुमार का शव बरामद किया, जिसका हाथ पैर बांधकर पानी में डुबोकर हत्या कर दी गई थी।

उक्त जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इस संबंध में एक नाबालिक छात्र सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है और जिस मोबाइल से रंगदारी की मांग की गई थी उस मोबाइल एवं सीम को भी बरामद कर लिया गया है। गिरफ्तार अपराधियों में थाना क्षेत्र के कुड़वा मठिया निवासी रोशन कुमार 19 वर्ष पिता जनक महतो, राजबली साह 19 वर्ष पिता नंद किशोर साह, रामू कुमार 22 वर्ष पिता मनोज महतो सहित एक नाबालिक छात्र शामिल है। गिरफ्तार अपराधियों ने अपनी संलिप्तता स्वीकार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि गिरफ्तार नाबालिक छात्र की बहन से मृतक का प्रेम प्रसंग चल रहा था। जिसके कारण उसको खुन्नस थी और उसने ही तीन लोगों के साथ मिलकर घटना को अंजाम दिया है ।

पुलिस टीम में पुलिस निरीक्षक के के गुप्ता, कुमारबाग ओपी प्रभारी अनुज पांडे, मनुआपुल थानाध्यक्ष मोहम्मद अलाउद्दीन, चनपटिया थानाध्यक्ष मनीष कुमार, तकनीकी सेल प्रभारी निर्भय कुमार राय व धनंजय कुमार, दरोगा विक्रम सिंह आदि पुलिसकर्मी शामिल थे।

इस घटना को लेकर मृतक के घर पहुंचे सांसद डॉ संजय जयसवाल ने बिहार में जंगलराज आने की बात बताई। उन्होंने बताया कि 18 साल बाद एक बार फिर अपहरण और हत्या की बात सामने आई है।

जिसमें एक बच्चे की निर्मम हत्या की गई और रंगदारी की मांग की गई। पुलिस जितनी त्वरित कार्रवाई कर पोस्टमार्टम और दाह संस्कार बच्चे का करवाया, यदि उतनी ही त्वरित कार्यवाही कर बरामदगी की प्रयास करती तो शायद बच्चे की जान बच जाती। फिलहाल यदि बेतिया पुलिस त्वरित कार्यवाही कर दोषियों को सजा नहीं दिलाती तो, इसके खिलाफ आंदोलन किया जाएगा। वहीं इस घटना के विरोध में बेतिया मीना बाजार की सभी आभूषण की दुकानें बंद रही।

लग्जरी कार में पकड़ाया ब्रांडेड विदेशी शराब,भागने के क्रम में दीवार से टकराया

बीएनएम@मोतिहारी

शराबबंदी के बाद भी शराब तस्करो का मनोबल काफी बढा हुआ है,तस्कर रोज रोज नये तरीको का इजाद कर रहे है। ताजा मामला मोतिहारी नगर थाना क्षेत्र से सामने आया है, जहां पुलिस टीम ने एक लग्जरी कार में छापेमारी करते हुए बड़ी मात्रा में ब्रांडेड विदेशी शराब को बरामद किया है,साथ ही इस दौरान पुलिस ने एक युवक को भी गिरफ्तार भी किया है। जिससे पूछताछ की जा रही है।

इस बाबत छतौनी थानाध्यक्ष कंचन भास्कर ने बताया कि शराब की खेप आने की गुप्त सूचना के बाद सुबह सुबह मठिया के पास वाहन जांच किया जा रहा था।इसी दौरान एक टाटा नेक्सन कार का ड्राइवर पुलिस को देख काफी तेज गति से गाड़ी को भगाने लगा।जिसका पीछा किया गया तो कार बनिया

पट्टी होते पंचमंदिर के पास मोड़ने के दौरान एक मकान से टकरा गई।

टक्कर के बाद कार सवार एक व्यक्ति मौके से फरार हो गया।जबकि दूसरे को पुलिस ने दबोचते हुए कार की तलाशी ली गयी,तो कार में रखा बड़ी मात्रा में विदेशी शराब बरामद किया गया।पकड़े गये युवक से पूछताछ की जा रही है,जबकि कार के कागजात के आधार पर मालिक की पहचान कर अग्रेतर कारवाई किया जा रहा है।

हम यदुवंशी है, हमे कृष्ण की भांति धर्म के रास्ते पर चलना है:नित्यानंद

बीएनएम@मोतिहारी। केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने शुक्रवार को जिले के कई प्रखंडो में भाजपा द्वारा आयोजित जनसंवाद में शामिल हुए। इस दौरान उन्होने बनकटवा प्रखंड क्षेत्र के निमोईया गांव में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हम यदुवंशी है,तो हमे क्या क्या करना चाहिए, उन्होने महाभारत का उदाहरण देते कहा कि लड़ाई शुरू होने के पूर्व दुर्योधन ने अपनी माँ से पूछा कि कृष्ण किसके साथ रहेंगे तो उनकी माँ ने कही की तुम पाप के रास्ते पर हो और अर्जुन धर्म के रास्ते पर है इसलिए कृष्ण धर्म के साथ देंगे। हमे भी कृष्ण की तरह धर्म के रास्ते पर चलना है।

इस धरती पर जब जब पाप होगा तो गौ माता के गर्भ से कोई यदुवंशी का जन्म होगा और पाप का नाश करेगा।लेकिन आज राजद की सत्ता के रूप अधर्मी यदुवंशी को देखकर लोग यदुवंशी से ही भय करने लगे है।यह मेरा सौभाग्य है कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने हमे केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बनाया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्यामसुंदर प्रसाद श्रीवास्तव ने की मंच संचालन सन्तोष तिवारी ने की वही सभा को बेतिया सांसद डॉ संजय जयसवाल ने भी सम्बोधित किया।

उसके बाद श्री राय बिजबनी पूर्वी पंचायत के अगरवा गांव पहुंचे इस दौरान केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय कई जगहों पर भव्य स्वागत किया गया।वही यहां जनसंवाद को संबोधित करते केंद्रीय गृह राज्यमंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सभी वर्गो के विकास में विश्वास रखती है। जबकि राजद एवं जदयू के नेता जातीय उन्माद फैलाने में विश्वास करते है।उन्होंने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में देश विकास के पथ पर आगे बढ़ने के साथ-साथ सामरिक रूप से भी मजबूत एवं सुरक्षित है। मोदी जी के नेतृत्व में भारत का साख विदेशों में भी बढ़ा है।

BORDER NEWS MIRROR

Editorial

Saturday 14 October 2023

आसान नहीं मुख्यमंत्री शिवराज का श्राद्ध

विधानसभा चुनाव के महासंग्राम की शुरुआत होते ही कांग्रेस एवं भाजपा में श्राद्ध को लेकर जुबानी जंग छिड़ गई है। दरअसल सोशल मीडिया पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का गंगा नदी के किनारे निश्चिंत व निर्लिप्त बैठे हुए एक चित्र जारी हुआ था। इसमें शिवराज चुनाव की चिंता और मुख्यमंत्री बनने की इच्छा से मुक्त नजर आ रहे थे। वास्तव में वे ऋषिकेश में स्थित परमार्थ निकेतन में स्वामी चिदानंद मुनि के आश्रम में समय बिताने पहुंचे थे। वे यहां गंगा दर्शन कर गंगा आरती में शामिल हुए और संतों का आशीर्वाद लिया। इस पल चित्र सोशल मीडिया पर किसी ने डालकर लिख दिया, 'मामा का श्राद्ध, श्राद्ध में भाजपा ने दिया शिवराज मामा को टिकट।' इसे कांग्रेस की हरकत बताते हुए शिवराज ने कहा कि सनातन धर्म को अपशब्द कहने वाली कांग्रेस सत्ता की भूखी है। जबकि कांग्रेस को अपनी कुंठित सोच और कुसंस्कारों का श्राद्ध करने की जरूरत है। मैं मर भी जाऊंगा तो राख के ढेर से फीनिक्स पक्षी की तरह फिर से पैदा हो जाऊंगा, जनता की सेवा के लिए।' हालांकि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने शालीनता बरतते हुए कहा कि 'शिवराज जी ईश्वर आपको दीर्घायु दे। मेरी समझ में नहीं आता कि आपको हर चीज के पीछे कांग्रेस पार्टी ही क्यों नजर आती है ? श्राद्ध पक्ष में आपको टिकट आपकी पार्टी ने दिया है, आपके व्यक्तिगत दुश्मन आपकी पार्टी में बैठे हैं और आपका अहित करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं।' मिथकों में फीनिक्स को एक मायावी पक्षी माना जाता है। अरब, ईरानी, मिश्र और भारतीय दंत-कथाओं में ऐसे विलक्षण पंछी का उल्लेख मिलता है। धारणा है कि इसका जीवन चक्र 500 से 1000 वर्ष का होता है। उम्र पूरी होने पर वह जल जाता है और फिर अपनी ही राख से पुनः जीवन प्राप्त कर लेता है। यह अवधारणा भारतीय दर्शन के पुनर्जन्म से मेल खाती है। श्रीमद् भगवत गीता के इस दर्शन को दुनिया के अनेक वैज्ञानिक भी अब यह मानने लगे हैं। दरअसल पदार्थगत रुपांतरण को ही पुनर्जन्म माना जाता है। पदार्थ और ऊर्जा दोनों ही परस्पर परिवर्तनशील है।

देश की खेल राजधानी बनने की तैयारी में यूपी

आर.के. सिन्हा

चीन के हांगझू शहर में हाल ही में समाप्त हुए एशियाई खेलों में भारत के शानदार प्रदर्शन के बीच इस बात को याद रखना होगा कि इन खेलों ने उत्तर प्रदेश (यूपी) को एक शक्तिशाली खेल राज्य के रूप में स्थापित किया है। भारत को 107 में से 55 पदक एकल स्पर्धा में मिले और शेष बाकी खेलों में। हरियाणा के खिलाड़ी 14 पदक लेकर सबसे आगे रहे। उत्तर प्रदेश के खिलाड़ी सात पदक लेकर दूसरे स्थान पर रहे। यह सबको हैरान करने में सफल रहे। देखिए हरियाणा तो लंबे समय से खेलों में बेहतरीन प्रदर्शन कर रहा है। पर उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों के उम्दा प्रदर्शन से साफ है कि राज्य में खेलों के इंफ्रास्ट्रक्चर पर अब तेजी से फोकस किया जा रहा है। सफल खिलाड़ियों को सरकारी नौकरियों के साथ-साथ अच्छे तरीके से पुरस्कृत भी किया जा रहा है। हरियाणा के बाद उत्तर प्रदेश और फिर तेलंगाना, केरल, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के हिस्से में 4-4 मेडल आए। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और दिल्ली के खिलाड़ी मात्र दो-दो पदक जीत सके। राजस्थान, ओडिशा, मणिपुर, असम, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के खिलाड़ी एक-एक ही पदक दिलवा सके। ये सभी पदक एकल स्पर्धाओं में जीते गए। भारत की टोली में उत्तर प्रदेश से 36 खिलाड़ी थे। इनमें से छह अकेले मेरठ जिले से ही थे। उनमें से दो स्वर्ण पदक जीतने में सफल रहे। बेशक,एशियाई खेलों में उत्तर प्रदेश के एथलीटों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा लिया। यह पहला मौका था जब उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों की झोली में इतने सारे पदक आए हों। उत्तर प्रदेश की खेल राजधानी मेरठ जिले के खिलाड़ियों ने सबसे चौंकाने वाला प्रदर्शन किया है। पारुल चौधरी मेरठ जिले की बेटी है। उन्होंने 5000 मीटर और 3000 मीटर स्टीपलचेज में एक स्वर्ण और एक रजत पदक जीता। मेरठ के बहादुरपुर गांव की रहने वाली अन्नू रानी ने भाला फेंक में गोल्ड जीता। लंबी दूरी की दौड़ और गोला फेंक में क्रमशः कांस्य पदक हासिल करने वाले गुलवीर सिंह और किरण बालियान का भी मेरठ से नाता है। इन सभी ने अपने-अपने शहरों और जिलों में उपलब्ध सुविधाओं के बल पर ही शानदार प्रदर्शन किया। अलीगढ़ के गुलवीर सिंह ने भी कमाल कर दिया। उन्होंने 10 हजार मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीता। तो कैसे उत्तर प्रदेश में खेल संस्कृति अचानक विकसित हुई? दरअसल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के बाद सभी राज्य के खेलों से जुड़ी एसोसिएशन और कोच कसकर मेहनत करने लगे हैं। इसी कड़ी मेहनत का नतीजा है कि उत्तर प्रदेश के खिलाड़ी एथलीट दुनिया में नाम कमा रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य में खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए कई महत्त्वपूर्ण कदम उठाए हैं। राज्य सरकार खेलों को गति देने को लेकर कितनी गंभीर है, इसका अंदाजा इसी तथ्य से लग सकता है कि अब गांवों के स्कूलों में भी कोचिंग की व्यवस्था शुरु हो गई है। जिन खिलाड़ियों ने एशियाई खेलों में पदक जीते हैं, उनकी झोलियां भरने जा रही है इनामों से। स्वर्ण, रजत तथा कांस्य पदक विजेता खिलाड़ियों को क्रमशः 3 करोड़ रुपये, 1.5 करोड़ रुपये और 75 लाख रुपये पुरस्कार राशि प्रदान की जायेगी। ओलंपिक खेल में एकल प्रतिस्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने पर 6 करोड़ रुपये, रजत पदक में 4 करोड़ रुपये तथा कांस्य पदक में 2 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि प्रदेश सरकार द्वारा प्रदान की जाती है। टीम प्रतिस्पर्धा में स्वर्ण पदक पर 3 करोड़ रुपये, रजत पदक पर 2 करोड़ रुपये, कांस्य पदक पर 1 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि निर्धारित की गई है।

(लेखक, वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

Today's Opinion

विदेशी धरती पर फंसे भारतीयों के प्रति मोदी सरकार की संवेदनशीलता

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

दुनिया में कहीं भी संकट आया हो, भारत सरकार ने अपने नागरिकों को सुरक्षित वापस स्वदेश लाने में कोई कमी नहीं छोड़ी है और इस सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए इजरायल में फंसे हजारों भारतीय नागरिकों को सुरक्षित स्वदेश वापस लाने के लिये ऑपरेशन 'अजय' हम सभी के सामने है। केंद्र की मोदी सरकार यह कार्य ऐसे संकटकालीन समय में कर रही है जब हमास के आतंकवादियों ने इजरायल में घुस कर आम नागरिकों, यहां तक कि बच्चों को भी हैवानियत के साथ कत्ल किया है। देखा जाए तो इजरायल में करीब 18 हजार भारतीय नागरिक काम या पढ़ाई के सिलसिले में रह रहे हैं। यहां रहने वाले भारतीयों का एक बड़ा हिस्सा देखभाल करने वालों के रूप में काम करता है, लेकिन वहां लगभग एक हजार छात्र, कई आईटी पेशेवर और हीरा व्यापारी भी हैं, जिन्हें सुरक्षित निकालने का सिलसिला मोदी सरकार ने शुरु किया है। मौजूदा हालत में भारतीय लोगों की सहायता के लिए इमरजेंसी नंबर जारी हुए हैं और भारतीय नागरिकों का भारत लौटना भी शुरु हो गया है। भारत लौटने वाले लोगों के चेहरे पर खुशी देखते ही बन रही है, जैसे कि अब वे सभी चिंताओं से मुक्त हो गए हैं। लैंड होते ही यात्रियों ने भारत माता की जय और नरेन्द्र मोदी जिंदाबाद के भी नारे भी लगाए। भारत लौटी रांची की विनिता, उत्तराखण्ड के आरती जोशी, आयुष मेहरा हों या मनोज कुमार, स्वाति पटेल एवं अन्य भारतीय, सभी आज प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व और भारत सरकार द्वारा उनकी फिक्र किए जाने के लिए हर्षित हैं। केंद्रीय मंत्री राजीव चन्द्रशेखर ने यह स्पष्ट कहा भी है, "हमारी सरकार किसी भी भारतीय को कभी पीछे नहीं छोड़ेगी। हमारी सरकार, प्रधानमंत्री उनकी सुरक्षा के लिए, उन्हें सुरक्षित घर वापस लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।" वे यहां तक कहते हैं कि हम विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर, विदेश मंत्रालय की टीम, एयर इंडिया के चालक दल के भी आभारी हैं जिन्होंने हमारे बच्चों को सुरक्षित और स्वस्थ घर वापस लाया और उनके प्रियजनों के पास वापस पहुंचाया। वस्तुतः यह पहला अवसर नहीं है जब किसी विदेशी धरती से भारत अपने नागरिकों को संकटकालीन समय में सुरक्षित स्वदेश लेकर आया है। इससे पहले भी कई बड़े ऑपरेशन सफलता पूर्वक कर चुका है। भारत ने हमेशा अपने एक-एक नागरिक के जीवन की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। यूक्रेन-रूस युद्ध के समय भी हमने देखा, वॉर छिड़ने के तुरंत बाद, पीएम मोदी ने 'ऑपरेशन गंगा' नामक एक बहु-आयामी निकासी अभियान शुरु किया था । यूक्रेन में कीव, ल्वीव, चेर्नित्सि से भारतीयों का आना आरंभ हुआ, फिर इस निकासी प्रक्रिया को तेज करने के लिए, विदेश मंत्रालय ने पोलैंड में वॉरसा, शेहिनी-मेडिका और क्राकोविएक सीमा पार, हंगरी में जाहोनी, किप टायसा सीमा पार, स्लोवाक गणराज्य में विस्ने नेमेके सीमा पार और रोमानिया में सुसेवा सीमा पार पर अपनी टीमें तैनात कर दी थीं, ताकि किसी भी भारतीय को स्वदेश लाने में कोई दिक्कत न आए। संकटग्रस्त सूडान में फंसे भारतीयों को 'ऑपरेशन कावेरी' चलाकर सुरक्षित भारत लाया गया । यहां से आए भारतीयों ने तो स्पष्ट बताया कि सूडान में सबसे पहले भारत ही अपने नागरिकों को सुरक्षित स्वदेश लाने के लिए पहुंचा था। वहां स्थिति काफी खतरनाक थी मोदी सरकार से इस बचाव अभियान को भी बड़ी ही तेजी के साथ चलाया था । इससे पहले अफगानिस्तान में चले गृहयुद्ध को भी याद किया जा सकता है, जब तालीबानियों ने आम लोगों को अपना निशाना बनाया, तब भी भारतीय वायुसेना और एयर इंडिया के विमान लगातार अफगानिस्तान से भारतीयों को लेकर स्वदेश आते रहे। निश्चित ही तालिबानी आतंकियों के बीच से भारतीयों को सुरक्षित ले आना कोई छोटी बात नहीं थी । जब अफगानिस्तान से सीधे भारत आना संभव नहीं हो रहा था, तब भी अपनी इच्छा शक्ति की दम पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ताजिकिस्तान, कतर के रास्ते या अन्य रास्तों से काबुल से भारतीयों को दिल्ली एवं देश के अन्य भागों में सुरक्षित पहुंचा रही थी ।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

मुद्रक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी बिहार -845401 से मुद्रित तथा सरोतर निवास राजाबाजार, मोतिहारी बिहार से प्रकाशित, संपादक सागर सूरज* फोन न:-06252-296796, प्रसार:-9470050309 ईमेल:- bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:- www.bordernewsmirror.com(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) TITLE CODE - BIHBIL02431

नारियां अब पुरुषों की परछाई नहीं पारिवारिक समाज का आधार स्तंभ

संजीव ठाकुर

आज स्त्री के संदर्भ में सारी पुरातन अवधारणाओं को बदलने का समय आ गया है ।नारी अब घर में पूज्या तो है ही साथ ही वह समाज में अपनी अहमियत की दस्तक देकर देश की सीमा सुरक्षा में भी अपना योगदान दे रही है। राष्ट्र निर्माण में नारी की शिक्षा एवं उनकी सहभागिता भारत का शक्तिशाली भविष्य है, अतः नारी की शिक्षा देश के लिए अति महत्वपूर्ण मुद्दा बन गई है। वह समय चला गया जब किसी घर में कन्या के पैदा होने से पूरे परिवार में मातम छा जाता था अब भारत में धीरे-धीरे सामाजिक परिवेश में लिंग भेद बदलने लगा है।

स्थिति यह है कि शिक्षित परिवार केवल एक संतान ही पैदा करना चाहती है चाहे वह कन्या हो या बेटा। अब परिवार में कन्या पैदा होने से खुशियां मनाई जाती है और पुरातन सोच अब धीरे-धीरे सामाजिक परिवेश को मस्तिष्क के मूल्यांकन के साथ बदलते जा रही है। पुरुष प्रधान समाज में नारी को पूज्या कह कर बहला दिया जाता था और उसे घर की चहारदीवारी में सीमित कर दिया गया था। यही कारण था कि वे पुरुषों की बराबरी मैं ना आकर बहुत पिछड़ गई और देश की समग्र विकास की स्थिति एकांगी हो गई थी। समाज यह भूल गया था कि जिन हाथों में कोमल चूड़ियां पहनी जाती हैं वही हाथ तलवार भी उठा कर युद्ध में एक वीरांगना की भूमिका निभाती है, इसकी सर्वश्रेष्ठ उदाहरण रजिया बेगम और रानी लक्ष्मीबाई रही हैं। मनुस्मृति पर यदि आप नजर डालेंगे तो पाएंगे कि उसमें स्पष्ट कहा गया है कि जहां नारियों की पूजा होती है वहां देवताओं का वास होता है। प्राचीन भारत में नारी शिक्षा का काफी प्रचार प्रसार किया गया था इसके कई प्रमाण भी हैं कि वेद की रिचाओं का ज्ञान नारियों को था इसमें कुछ महत्वपूर्ण नारियां समाज के लिए एक उदाहरण बन गई थी उनमें मैत्री, गार्गी, अनुसूया, सावित्री, आदि उल्लेखनीय हैं। वैदिक काल के विद्वान मुंडन मिश्र की पत्नी उदय भारती ने प्रकांड पंडित विश्व विजयी आदि शंकराचार्य को भी शास्त्रार्थ में भरी सभा में पराजित किया था। इसीलिए वेदों और पुराणों में भी उल्लेखित है की बालिका शिक्षा समाज के निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला होता है।

महादेवी वर्मा ने नारी शिक्षा को पुरुष शिक्षा से ज्यादा महत्वपूर्ण बताया था उन्होंने कहा था स्त्री को शिक्षित बनाना एक पुरुष को शिक्षित बनाने से ज्यादा आवश्यक और महत्वपूर्ण है यदि एक पुरुष शिक्षित -प्रशिक्षित होता है तो उससे एक ही व्यक्ति को लाभ होता है किंतु यदि स्त्री शिक्षित होती है तो उससे संपूर्ण परिवार शिक्षित हो जाता है.

उन्होंने बहुत महत्वपूर्ण बात कही नारी को अशिक्षित रखना समाज के लिए अपराध के समान है। समय के परिवर्तन के साथ साथ नारी का महत्व अब पूरे तौर पर समझा जा रहा है आज समाज तथा देश में नारियां सर्वोत्कृष्ट कार्य कर रही है। समाज हो या विज्ञान या राजनीति अथवा समाज सेवा संपूर्ण क्षेत्र में आज नारियां पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर सर्वश्रेष्ठ कार्य कर रही है। मैडम क्यूरी, कल्पना चावला, इंदिरा गांधी, श्रीमति भंडार नायके, सरोजनी नायडू, कस्तूरबा गांधी जैसी महिलाएं राष्ट्र का मार्गदर्शन करने का काम करती रही है। महात्मा गांधी ने स्वयं कहा है कि जब तक भारत की महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर हर क्षेत्र में काम नहीं करेगी तब तक भारत का सर्वांगीण विकास संभव नहीं है। पी वी संधू, वित्त मंत्री सीतारमण स्मृति ईरानी और मंत्रिमंडल में शामिल महिलाएं किसी से पीछे नहीं हैं और सबसे ताजा उदाहरण भारत की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने महिला होकर महिलाओं का नाम राष्ट्र की प्रथम पंक्ति में दर्ज कर देश के सर्वोच्च पद राष्ट्रपति पद को सुशोभित किया है। ।

ख्वाब में हकीकत

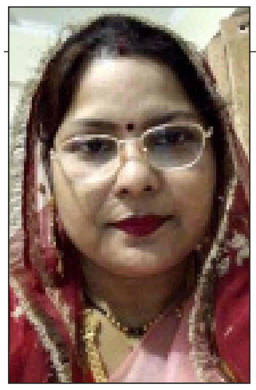

ममता सिंह राठौर, कानपुर

सपने जो हम सोते हुए देखते हैं, उनके बारे में आप लोगो की क्या राय है ? बताइगा। वैसे मेरी भी समझ में कुछ ज्यादा नहीं है, हां पर यह लगता है कि जो मन में चल रहा होता है वो देखते हैं, फिर कभी बिल्कुल विचित्र सपने होते हैं। खैर, आज हम आप को आज के सपने में देखी हुई घटना का ही विवरण दे रही हूं जो बिल्कुल सच है।

हुआ यूं की आज दोपहर मैं जब सोई तो इस सपने ने ही जगा दिया, तो मन थोड़ी देर तक सोचता रहा फिर हँसी भी आ गई तो सोचा चलो आप लोगों को भी जगाते हैं, हँसाते हैं। अच्छा आज समय का जो दौर है उसके साथ सब लोग क्या चल पा रहे ? हां पर कुछ लोग दौड़ रहें है कुछ लोग छलांग लगा र हे हैं, पर कुछ लोग बेचैन भी हैं और सोचते हैं कि हमारी भारत भूमि जहां सत्यवादी हरिश्चंद्र, राजा दशरथ, जैसे लोग हुए हैं बल्कि आज भी किसी विद्यालय में झूठ का समर्थन नहीं होता। सामने से, बाकी आप सब की राय,पर अब आप चलते फिरते देखो कैसे -कैसे लोग, एक छोटी सी बात मन में घूम रही थी।

हुआ यूं की किसी से मेरी यूं ही रास्ते में मुलाकात हुई, नमस्ते की, हमने तो वो खड़ी हो गई बात करती रहीं ।मेरे सच्चे लेखन की जिससे वो बहुत प्रभावित हैं, ऐसा बताया उन्होंने, तभी मेरी नजर उनके हाथ में दूध की बाल्टी पर पड़ी तो हमने पूछ लिया कितने में देते हैं दूध ? तो जवाब देखिए- हमने पूछा ही नहीं कितने में देता है हम तो जो बिल देता है बस दे देती हूं.... हिहिही। हमें भी हँसी आ गई,अच्छा जी राम राम।

अब अगली कथा जिसने हमें जगा दिया वो यह की सपने में सजी संवरी आठ -दस औरतें दिखीं तो हमने पूछा- आज करवा चौथ है क्या ? तो सब की सब देखी होंठ तो हिलाईं पर जवाब नहीं दिया। हमने फिर पूछा तो फिर वही अभिनय की और एक ने कहा हां है करवा चौथ,तभी हमने कुछ सोचते हुए कहा अच्छा पर हमने तो नवरात्रि का व्रत किया है यह मार्च का महीना है करवा चौथ तो अक्तूबर के महीने में होता है। इसके आगे जो बोल कर मेरी आँख खुल गई वो यह कि जो तुम लोग लिपी पुती बैठी हो, बिल्कुल टी वी सीरियल की सास -बहू साजिश, और-सीखो और घर फोड़ो। मंथरा हो पूरी की पूरी। यह सब मेरे सपने में घटी घटना है ।कोई व्यक्तिगत न ले। वैसे सुंदर यह है कि सब हरी साड़ी में सुहागिनी देवियां दिखीं।

व्यंग्य: दीनू की किस्मत

हनुमान मुक्त

खुशी में समय कैसे निकल जाता है, पता ही नहीं चलता। रामखिलावन उर्फ आर के साहब का समय भी बहुत अच्छे ढंग से गुजर रहा था। आजकल उनकी गिनती अच्छे अफसरों में होने लगी थी। अपनी अफसर बिरादरी में उनकी अच्छी पोजीशन थी। अच्छे खासे परिवार में उनकी शादी हो गई। वे पापा भी बन गए। सात साल का उनके एक बेटा है।

सिंह साहब जैसे गुरु के मार्गदर्शन और अपनी कार्यशैली से उनके पास अपना मकान और बैंक बैलेंस भी बन गया है। उनकी ही जाति बिरादरी का एक युवक है दीनदयाल।

अपने बूते अनुसार पढ़ने लिखने के बावजूद, काफी कोशिश करने के बाद भी जब किसी सरकारी महकमे में अपनी जगह ढूंढने में वह नाकामयाब रहा तो उसने असर-कारी स्कूल में देश का भविष्य निर्माता बनाने का कार्य शुरू कर दिया। असर-कारी स्कूल मास्टर की तनख्वाह असर-दायक नहीं होने से दीनदयाल स्कूल समय से पहले और बाद में होम ट्यूशन कर अपना गुजारा करने लगा।

घर में उसकी मां के सिवाय कोई नहीं था। पिता का देहांत बहुत पहले बचपन में ही हो चुका था। दीनदयाल की उम्र तीस साल के पार हो गई लेकिन क्या मजाल जो कोई नवयौवना का पिता अपनी पुत्री का हाथ उनके हाथों में देने का मानस बनाता। बेचारा दीनदयाल इधर-उधर ताक-झांक कर अपना काम चला रहा था। ताकते-झांकते उसकी आंखों को भी अब शर्म आने लगी थी। पर बेचारा क्या करता ?

यार, दोस्त जब अपने बीवी बच्चों के साथ हंसते बतियाते निकलते तो उसके दिल पर सांप लोट जाता। मन ही मन उसे अपनी किस्मत पर रोना आता। इसी मोहल्ले का होने के कारण सब उसे दीनू ही कह कर पुकारते। प्राइवेट स्कूल में पढ़ाने के कारण अब वह दीनू से दीनू मास्साब बन चुका था। दीनू का पढ़ाने लिखाने में मन कितना लगता। यह तो नहीं पता लेकिन उसके द्वारा घर पर पढ़ने वाले बच्चे और उनके मां-बाप उससे बहुत प्यार करते। वह भी घर पर बच्चों को पढ़ाने के अलावा सब कुछ करता। बच्चों को पढ़ाई का सामान लाने से लेकर, घर का सामान लाने में भी वह कोई कोताही नहीं बरतता। जैसे तैसे दीनू अपना गुजर-बसर कर रहा था। पिछले कुछ दिनों से वह आर के सर के यहां भी उनके नौनिहाल को घर पर ट्यूशन पढ़ाने का कार्य करने लगा था। अन्य ट्यूशन वालों के घर पर वह एक घंटे से अधिक समय खराब नहीं करता लेकिन आरके साहब की लोकप्रियता और कार्यशैली से प्रभावित होकर वहां वह दो घंटे तक खराब करने में कोताही नहीं बरतता।

उसका मानना था कि यह इन्वेस्टमेंट है जिसका फल उसे भविष्य में अवश्य मिलेगा। दीनू यहां साहब और साहिबा के पर्सनल कामों को भी पूरी मुस्तैदी से मन लगाकर पूरा करता। आरके साहब, साहिबा और उनका नौनिहाल दीनू की कर्तव्य निष्ठा, वफादारी और मेहनत से खुश थे। साहब को दीनू की दयनीय दशा पर काफी दया आती, जिसे दीनू अच्छी तरह जानता था। अपनी दयनीय दशा को अच्छी दशा में बदलने के लिए वह मनोरथ सिद्ध वृक्ष पर जाकर मनोकामना का धागा भी बांध आया था। मनोरथ सिद्ध वृक्ष की कृपा उस पर आई या उसकी मेहनत, कर्तव्य निष्ठा और वफादारी ने अपना रंग दिखाया कि एक दिन शाम को साहब, दीनू पर कुछ अधिक मेहरबान नजर आए। उन्होंने दीनू को एक अखबार थमाते हुए कहा, दीनू ! इस अखबार में हमारे महकमे में बाबू की जगह के लिए विज्ञप्ति छपी है। तुम फॉर्म भर दो। दीनू ने अखबार को इधर-उधर पलटा। बोला,साहब इस नाम का अखबार तो आज पहली बार देखा है । सुनकर साहब के चेहरे पर एक रहस्यमई मुस्कान उभर आई। बोले, जब यह बाजार में आएगा ही नहीं तो तुम देखोगे कैसे ? इसका प्रसारण हम जैसे कुछ एक अधिकारियों तक ही सीमित है। तुम्हें आम खाने हैं या पेड़ गिनने। जैसा कहा है, वैसा करो। कल शाम तक फॉर्म तैयार कर दे जाना। अत्यंत गोपनीय काम है। किसी से कुछ कहना मत। दीनू को आम खाने थे। साहब के यहां ट्यूशन के काम को और भी निष्ठा से करने का मन ही मन निर्णय किया। साथ ही साहब के निर्देशानुसार अपना भविष्य संवारने का भी। उनके कहे अनुसार फॉर्म तैयार कर गोपनीय ढंग से साहब को दे आया।

कुछ दिनों बाद साहब ने परीक्षा में बैठने का बुलावा पत्र दीनू को थमा दिया और कुछ गोपनीय निर्देशों के साथ ठीक समय पर परीक्षा स्थल पर पहुंचने का आदेश भी। दीनू ने साहब के आदेशों की अक्षरशः पालना की। सभी काम ठीक-ठाक ढंग से संपन्न हो गया। परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों की कुंजी ,पेपर मिलने के आधे घंटे बाद ही दीनू के पास पहुंच गई और दीनू परीक्षा में पास हो गया। अब आ गई टाइप टेस्ट की बारी। परीक्षा तो टीप टाप कर पास कर ली लेकिन अब टाइप टेस्ट कैसे पास करेगा दीनू। उसे तो टाइप करने की एबीसीडी तक नहीं आती फिर वह टाइप की स्पीड में कैसे पास होगा। मन ही मन वह सोच रहा था ।अपना संशय उसने साहब के समक्ष रखा।

साहब ने उसे मस्त रहने को कहा। आर के साहब अब खुद अलादीन के चिराग बन चुके थे। जिनके पास हर समस्या का हल था। पी टीआई सिंह साहब का उन पर पूरा असर था। सिंह साहब की उन पर पूरी कृपा दृष्टि थी ।वे अपने गुरु सिंह साहब से पूरा गुरु ज्ञान ले चुके थे। उन्होंने टाइप टेस्ट वाले दिन दीनू को दिन भर उनके घर पर ही रहने का निर्देश दे दिया कि वह आज घर से बिल्कुल ना निकले। अपने स्कूल से भी आज की छुट्टी ले ले। दीनू, साहब के गोरखधंधे के बारे में सोचता उससे पहले ही उसके दिमाग में पेड़ गिनने के बेवकूफी भरे प्रयास की बजाय आम खाने का विचार आ जाता। उसे आम खाने थे ।वह सब कुछ साहब के निर्देशानुसार कर रहा था। टाइप टेस्ट के दिन, दिन भर साहब के घर पर ही रहा ।जो घर का काम वह कर सकता था ।उसने पूरी कर्मठता से किया। शाम को उसे छुट्टी मिल गई। टाइप टेस्ट हो गया ।कुछ दिनों बाद परीक्षा परिणाम आ गया। दीनू बिना टाइप टेस्ट में बैठे ही टाइप टेस्ट में अच्छे अंको से पास हो गया ।बाद में पता चला कि उसकी टाइप टेस्ट की परीक्षा साहब के ऑफिस में काम करने वाले टाइपिस्ट ने दी थी। भगवान ने दीनू की सुन ली। अब वह आर के साहब के ऑफिस में ही सरकारी बाबू बन गया।

मुक्तायन, 93, कांति नगर
मुख्य डाकघर के पीछे, गंगापुर सिटी,
सवाई माधोपुर (राजस्थान)

नमिता गुप्ता मनसी

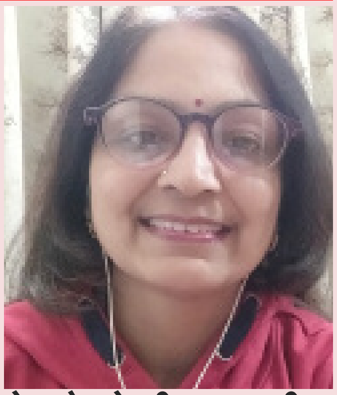

हो सके तो सीखना कभी..

पेड़ों से..बीजों के अंकुरन की भाषा,
चिडियों से..घोंसला बुने जाने की भाषा,
पतंगों से..हवाओं की भाषा,
बादलों से..बारिश की भाषा,
बूंदों से..पानी की भाषा,
नदियों से..अनवरत बहने की भाषा,
तारों से.. आकाश की भाषा,
सूरज से..धूप की भाषा,
चांद से..चमकने की भाषा !!

नवजात से.. किलकारी की भाषा,
चित्रकार से..रंगों की भाषा,
स्त्री से.. उसके दर्द की भाषा
प्रौढ़ से..जीवन की भाषा
प्रेम से..मौन की भाषा,
और
जीवन से..उसके होने की भाषा !

सुनों..
समाहित हैं ये सभी भाषाएं सदियों से
कवियों की कविताओं में !!

मेरठ, उत्तर प्रदेश

बाजार में मौजूद हैं नौ तरह की हेयर ब्रश, कौनसी रहेगी बेहतर

अगर आपको लगता है कि कंघी भले ही कोई भी हो वह सिर्फ बालों को संवारने के ही काम आती है, तो ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। अगर बालों की बनावट के अनुसार कंघी का इस्तेमाल किया जाए तो उससे बालों को संवारने के साथ-साथ कई तरह के लाभ मिल सकते हैं। अगर आप अपने बालों के लिए कंघी के चयन को लेकर उलझन में हैं तो आइए हम आपको नौ तरह की कंघी और उनकी विशेषताएं बताते हैं।

पैडल हेयर ब्रश और राउंड हेयर ब्रश

पैडल हेयर ब्रश: लंबे और सीधे बालों के लिए इस कंघी का चयन करना अच्छा रहेगा। यह बालों को जल्दी सुलझाती है। घुंघराले और वेवी बाल वाले भी इस कंघी का इस्तेमाल कर सकते हैं।

हालांकि, अगर आपके घने बाल हैं तो नायलॉन या सिंथेटिक ब्रिसल्स वाला ही पैडल हेयर ब्रश चुनें। राउंड हेयर ब्रश: वेवी बालों के लिए यह कंघी एकदम सही है, जो बालों में वॉल्यूम और बाउंस जोड़ता है। यह बाजार में विभिन्न आकारों में उपलब्ध है।

टीजिंग हेयर ब्रश और चौड़े दांतों वाली कंघी

टीजिंग हेयर ब्रश: यह हर तरह के बालों के लिए बेहतरीन है। इससे बालों का वॉल्यूम बढ़ा हुआ दिखता है और इसके पॉइंट-एंडेड हैंडल की मदद से बालों को अलग करने में मदद मिलती है। हालांकि, अगर आपके बाल कमजोर हैं तो इस कंघी के इस्तेमाल से बचें। चौड़े दांतों वाली कंघी: यह कंघी सभी प्रकार के बालों के लिए बेहतर है। खासकर, गीले बालों को टूटने से बचाने के लिए यह कंघी सबसे अच्छी होती है।

डिटैंगलर हेयर ब्रश और रेट-टेल हेयर ब्रश

डिटैंगलर हेयर ब्रश: यह कंघी भी सभी प्रकार के बालों के लिए बेहतरीन है। यह बालों की गांठों को आसानी से सुलझाने और उन्हें टूटने से बचाने में सहायक है। रेट-टेल हेयर ब्रश: यह कंघी बालों को अलग-अलग हिस्सों में बांटने के लिए आदर्श है। इससे बालों की स्टाइलिंग के दौरान उन्हें अलग करना काफी आसान हो जाता है। किसी भी तरह के बालों की स्टाइलिंग के लिए इस कंघी का इस्तेमाल किया जा सकता है।

वेंटेड हेयर ब्रश और बोअर ब्रिसल ब्रश

वेंटेड हेयर ब्रश: अगर आपके पास बालों को ठीक से कंघी करने का समय नहीं है तो वेंटेड हेयर ब्रश आपके गीले बालों को तोड़े बिना उन्हें सुलझाता है और इन्हें सुखाने में भी सहायक है। इसका इस्तेमाल भी हर तरह के बालों पर किया जा सकता है। बोअर ब्रिसल ब्रश: यह कंघी घुंघराले और पतले बाल वाले लोगों के लिए सही है। यह बालों की लंबाई में प्राकृतिक तेलों को वितरित करके उन्हें आसानी से संवारता है।

लूप हेयर ब्रश

इस कंघी में लूप ब्रिसल्स होते हैं, जो बालों के एक्सटेंशन को बिना खींचे संवारते हैं। आपके बाल भले ही किसी भी प्रकार के हो, अगर आपने हेयर एक्सटेंशन करवा रखा है तो लूप हेयर ब्रश का इस्तेमाल करें।

शहद के इस्तेमाल से बनाए जा सकते हैं ये स्वादिष्ट व्यंजन

शहद कई औषधीय गुणों से भरपूर होता है और इसका नियमित सेवन करना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होता है। अगर आप किसी भी व्यंजन में इसका सीमित मात्रा में इस्तेमाल करते हैं तो इससे उसका स्वाद काफी बढ़ जाता है। आइए हम आपको शहद के इस्तेमाल से बनाए जाने वाले पांच व्यंजनों की रेसिपी बताते हैं, जिन्हें आप घर पर सिर्फ 20 से 30 मिनट में तैयार कर सकते हैं।

हनी फ्रेंच टोस्ट

इसे बनाने के लिए आपको दो फेंटे हुए अंडे, एक चौथाई कप दूध, एक चौथाई कप शहद, एक चौथाई छोटी चम्मच नमक, छह-आठ ब्रेड के स्लाइस और थोड़े मक्खन की आवश्यकता होगी। सबसे पहले अंडे, दूध, शहद और नमक को डालकर अच्छी तरह मिलाएं। इसके बाद एक सॉस पैन में मक्खन पिघलाएं और ब्रेड स्लाइस को अंडे के मिश्रण में डुबोएं और फिर इसे दोनों तरफ से सुनहरा होने तक सेंकें और गरमागरम परोसें।

हनी चिली पोटैटो

हनी चिली पोटैटो के लिए पहले आवश्यकतानुसार आलू को धोकर छीलें, फिर इन्हें फ्रेंच फ्राइज के आकार में काटकर अरारोट से मैरीनेट करें। इसके बाद फ्रेंच फ्राइज को डीप फ्राई करके प्लेट में निकालें। अब गर्म कुकिंग ऑयल में कटी हुई शिमला मिर्च, हरी मिर्च, अदरक, टोमैटो सॉस, चिली सॉस, सोया सॉस, कुटी लाल मिर्च, थोड़ा नमक और सिरका डालकर कुछ मिनट पकाएं और फिर गैस बंद करके इसमें शहद मिलाएं। अंत में इसमें तले फ्रेंच फ्राइज मिलाकर इसे परोसें।

बेक्ड हनी चीज केक

सबसे पहले अपने ओवन को 180 डिग्री सेल्सियस पर प्रीहीट करें और एक केक पैन को मक्खन से चिकना करके उसमें एक बेकिंग पेपर डालें। अब एक कटोरे में कटे हुए खजूर, ओट्स, सूरजमुखी के बीज, दालचीनी और नारियल समेत पिघला मक्खन मिलाएं। इसके बाद मिश्रण को केक पैन में डालें और बेक करें, फिर बेक केक पर क्रीम चीज, अंडे, नींबू के रस, वनिला एसेंस और शहद को फेटकर डालें और दोबारा इसे बेक करने के बाद परोसें।

स्पाइस हनी कैमोमाइल कूलर

सबसे पहले थोड़ा पानी उबाकर उसमें कैमोमाइल टी बैग्स, दालचीनी और लौंग डालकर पांच मिनट के लिए उबालें। इसके बाद पानी में से दालचीनी और लौंग को निकालकर इसमें नींबू का रस और शहद मिलाएं। अब इस मिश्रण को एक घंटे के लिए फ्रिज में रख दें और फिर प्रत्येक गिलास में एक बड़ा चम्मच संतरे का रस और कुछ बर्फ के टुकड़ों समेत तैयार ड्रिंक डालकर इसे परोसें।

बनाना हनी मफिन

सबसे पहले अपने ओवन को 190 डिग्री सेल्सियस पर प्रीहीट करें। इसके बाद एक पैन में मक्खन पिघलाकर उसमें शहद और दूध डालें, फिर इसमें मैश किए हुए केले डालें। अब इसमें मैदा, बेकिंग पाउडर, थोड़ा नमक मिलाकर गैस बंद करें और मिश्रण को मफिन कप में डालकर 20 से 25 मिनट तक अच्छे से बेक करें। अंत में थोड़ा ठंडा करके मफिन को परोसें।

क्या है दूध पीने का सही समय, ताकि मिलें अधिक फायदे

भारतीय डाइट में दूध की एक खास जगह है। फिर चाहे वयस्क हों या छोटे बच्चे सभी दूध का गिलास रोज़ पीने की कोशिश करते हैं। खासतौर से बच्चों की अच्छी ग्रोथ के लिए उन्हें दूध ज़रूर पिलाया जाता है, वहीं वयस्कों को हड्डियों की मज़बूती के लिए दूध ज़रूर पीना चाहिए। दूध में कई तरह के फ्लेवर मिलाकर भी पिया जा सकता है। कई लोग इसे सुबह पीना पसंद करते हैं, तो कई इसे सोने से पहले पीते हैं। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि दूध को पीने का सही समय क्या है?

दूध पीने का बेस्ट समय क्या है?

आयुर्वेद की मुताबिक, वयस्कों के लिए दूध पीने का बेस्ट समय है रात का सोने से पहले। वहीं, बच्चों को सुबह ही दूध पी लेना चाहिए। रात में दूध पीने से ओजस को बढ़ावा मिलता है। ओजस को आयुर्वेद में एक ऐसी अवस्था के रूप में जाना जाता है, जब उचित पाचन हासिल हो जाता है। दूध पीने से अच्छी नींद लेने में मदद मिलती है। साथ ही सोते समय एक्टिविटी का स्तर भी कम होता है, इसलिए शरीर दूध से ज़्यादा से ज़्यादा कैल्शियम अवशोषित कर लेता है।

दूध पीने के फायदे क्या हैं?

दूध पोषक तत्वों से भरपूर होता है, जिससे हड्डियां भी मजबूत होती हैं। यह प्रोटीन, कैल्शियम, विटामिन-बी12, विटामिन-डी और फॉसफोरस का उच्च स्रोत है। रोज दूध पीने से इम्यूनिटी को बढ़ावा मिलता है, लेकिन इससे सीने में जलन भी शुरू हो सकती है।

एक दिन में कितना दूध पीना चाहिए?

आप दिनभर में आराम से 2 से 3 कप दूध पी सकते हैं, लेकिन साथ ही याद रखें कि किसी भी चीज़ की अति हानिकारक हो सकती है। अगर आप फुल-क्रीम दूध पी रहे हैं, तो एक या दो कप से ज़्यादा न पिएं, वरना यह वज़न बढ़ने का कारण बन सकता है।

दूध को कैसे स्वादिष्ट बनाया जा सकता है?

ऐसे लोग कम ही हैं, जिन्हें सादा दूध पसंद आता हो। यही वजह है कि मिल्क शेक, फ्रूट शेक काफी पॉपुलर हैं। हालांकि, आयुर्वेद की मानें तो दूध या दही में कभी भी फलों को मिलाकर नहीं पीना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि फल दूध के साथ मिलकर गैस पैदा करते हैं, इन टॉक्सिन्स से साइनस, सर्दी, खांसी और एलर्जी होती है। आप दूध में नेचुरल फ्लेवर्स, चीनी, गुड़, शहद, खजूर या फिर हल्दी मिलाकर पी सकते हैं। बच्चों के लिए दूध में चॉकलेट पाउडर मिलाया जा सकता है।

दूध पीने का सही तरीका क्या है?

आयुर्वेद में दूध के साथ फलों को मिलाकर पीने की सलाह नहीं दी जाती है। ऐसे में सवाल यह है कि फिर दूध को पीने का सही तरीका क्या है? दूध चाहे ठंडा हो या गर्म, दोनों ही तरह से शरीर को फायदा पहुंचाता है, लेकिन इस इस बात से भी फर्क पड़ता है कि आप दूध किस समय पी रहे हैं। अगर आप दूध को दिन के समय पी रहे हैं, तो ठंडा या गर्म कैसा भी पी सकते हैं। जबकि, रात में सोने से पहले पी रहे हैं, तो गुनगुना या गर्म दूध ही पिएं।

रात में ठंडा दूध पेट में दिक्कत पैदा कर सकता है, जिससे आपकी नींद खराब हो सकती है।

BNM Fantasy

अभिनेत्री भैरवी वैद्य का निधन

अभिनेत्री भैरवी वैद्य का निधन हो गया है। उन्होंने 67 साल की उम्र में आखिरी सांस ली। करीब 45 साल से फिल्म इंडस्ट्री में काम कर रहीं भैरवी अब तक कई हिंदी व गुजराती सीरियल और फिल्मों में काम कर चुकी हैं। वह पिछले छह महीने से कैंसर से लड़ रही थीं। इस बीच जानकारी सामने आई है कि उनकी मौत 8 अक्टूबर को हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, भैरवी पिछले 6 महीने से कैंसर से पीड़ित थीं। प्रतीक गांधी ने भैरवी वैद्य के साथ पुरानी यादें ताजा कीं। उन्होंने कहा, 'मुझे फिल्म ''वेंटिलेटर'' में उनके साथ काम करने का मौका मिला। हमारे बीच अच्छी बॉन्डिंग थी। वह बहुत प्यारी थी।

त

तापसी पन्नू ने बॉलीवुड के 'स्टार सिस्टम' पर दिखाई नाराजगी

बतौर प्रोड्यूसर अपनी दूसरी फिल्म 'धक धक' की वजह से तापसी पन्नू इस समय चर्चा में है। उन्होंने फिल्म की प्रमोशन स्ट्रैटेजी से नाराजगी दिखाते हुए इस फिल्म का प्रमोशन न करने का फैसला किया है। चूंकि तापसी इस फिल्म के मेकर्स से भी खफा हैं, क्योंकि उन्हें इस फिल्म पर ज्यादा भरोसा नहीं है। साउथ फिल्म इंडस्ट्री में मसाला फिल्में करने के बाद तापसी ने बॉलीवुड में कदम रखा और अपनी लोकप्रियता में इजाफा किया। एक्टिंग के साथ-साथ तापसी ने प्रोड्यूसर के तौर पर भी काम करना शुरू कर दिया। मीडिया से बातचीत के दौरान तापसी ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि उनकी फिल्म शाहरुख खान की 'जवान' जितनी बड़ी नहीं होगी, लेकिन ऐसी छोटी फिल्मों को भी उचित अवसर और प्रोत्साहन मिलना चाहिए। इसके साथ ही तापसी ने इंडस्ट्री के 'स्टार सिस्टम' पर भी कमेंट किया। तापसी ने बताया कि यह सब 'स्टार सिस्टम' पर ही निर्भर करता है, जो ओटीटी के आने के बावजूद अभी भी मौजूद है। एक्ट्रेस ने कहा कि इसके लिए इसमें शामिल हर व्यक्ति को दोषी ठहराया जाना चाहिए। इसमें एक्टर, स्टूडियो, दर्शक, हर कोई शामिल है। यह फिल्म इंडस्ट्री के लिए नुकसानदायक है, क्योंकि आप केवल बड़े नामों को ही सक्षम बना रहे हैं, तो बाकियों को मौका कैसे मिलेगा? इससे एक्टर्स और स्टार्स के बीच दूरियां ही बढ़ेंगी। तापसी की फिल्म 'धक धक' का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है। यह चार महिलाओं की दोस्ती और आत्म-खोज की कहानी है।

आमिर खान की आगामी फिल्म 'सितारे जमीन पर

में जेनेलिया देशमुख की एंट्री

दर्शक इस बात का इंतजार कर रहे हैं कि आमिर कब एक्टिंग में वापसी करेंगे। ऐसे में हाल ही में खबर सामने आई कि आमिर जल्द ही फिल्म 'सितारे जमीन पर' को प्रोड्यूस करने वाले हैं। यह भी साफ हो गया कि वह इसमें एक्टिंग करते नजर आएंगे। आमिर ने अपने आने वाले प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी दी। आमिर ने ये भी दावा किया कि ये फिल्म 'तारे जमीं पर' से 10 कदम आगे होगी। अब इस फिल्म को लेकर एक और नई अपडेट सामने आ रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, 'सितारे जमीन पर' में आमिर खान के साथ जेनेलिया देशमुख मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। आमिर के मुताबिक जेनेलिया इस रोल के लिए परफेक्ट हैं और कहा जा रहा है कि आमिर ने उनसे चर्चा के बाद ही इस रोल के लिए जेनेलिया को चुना। फिल्म में जेनेलिया आमिर की प्रेमिका के रूप में नजर आएंगी। जेनेलिया देशमुख ने आमिर खान द्वारा निर्मित फिल्म 'जाने तू या जाने ना' में अभिनय किया था। जेनेलिया भी आमिर के साथ पर्दे पर काम करने को लेकर काफी उत्साहित हैं। जेनेलिया हाल ही में अपने पति रितेश देशमुख की फिल्म 'वेड' में नजर आईं और उन्होंने मराठी में डेब्यू किया। अब सबकी नजर इस बात पर है कि आमिर की फिल्म में उनका रोल असल में कैसा होगा। बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान आखिरी बार फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' में नजर आए थे। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही थी। सोशल मीडिया पर बायकॉट ट्रेंड से फिल्म को काफी नुकसान हुआ। इसके बाद आमिर ने एक्टिंग से ब्रेक लेने का ऐलान कर दिया और उन्होंने ये भी साफ कर दिया कि अब वो सिर्फ फिल्में प्रोड्यूस करेंगे।